राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश – 172021

हिन्दी विभाग

राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी, जिला शिमला (हि.प्र.) का हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य की समग्र, गुणवत्तापूर्ण व मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर सक्रिय एवं समर्पित है। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा-दक्षता, साहित्यिक समझ, रचनात्मक क्षमता, सांस्कृतिक चेतना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करना है, जिससे वे न केवल शैक्षणिक दृष्टि से सक्षम बनें, बल्कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें।

हिन्दी विभाग में स्नातक स्तर पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य का सुदृढ़ शिक्षण कार्य संचालित किया जाता है। पाठ्यक्रम में प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के साथ-साथ भाषा-विज्ञान, व्याकरण, अनुवाद, मीडिया एवं समकालीन विमर्श से संबंधित विषयों का समावेश किया जाता है, जिससे विद्यार्थी साहित्य की परम्परा के साथ आधुनिक युग की आवश्यकताओं से भी जुड़ सकें। विभाग द्वारा छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है, जिसमें व्याख्यान, संवादात्मक कक्षाएँ, सेमिनार, असाइनमेंट, प्रस्तुतीकरण एवं समूह-कार्य शामिल हैं।

शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें कविता-पाठ, निबंध लेखन, भाषण, वाद-विवाद, नाटक मंचन, पुस्तक-चर्चा एवं संगोष्ठियाँ प्रमुख हैं। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक दृष्टि का विकास करना है। हिन्दी दिवस, साहित्यिक जयंती समारोह एवं अन्य राष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से विभाग विद्यार्थियों में भाषाई गौरव एवं संस्कृति-बोध को सुदृढ़ करता है।

हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, अध्यापन, अनुवाद, पत्रकारिता, मीडिया, प्रशासनिक सेवाओं एवं अन्य रोजगारोन्मुखी क्षेत्रों के लिए भी प्रेरित एवं मार्गदर्शित करता है। विभाग द्वारा अकादमिक गुणवत्ता के साथ-साथ नैतिक अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रबोध को भी विशेष महत्व दिया जाता है।

समग्र रूप से हिन्दी विभाग, राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी विद्यार्थियों के बौद्धिक, भाषाई, सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास के लिए सतत प्रयासरत है तथा ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्र के विद्यार्थियों को सशक्त नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।